Chapter 1

bihar board class 9 civics notes – लोकतंत्र का क्रमिक विकास

लोकतंत्र का क्रमिक विकास

अध्याय की मुख्य बातें–विश्व में एक शासन व्यवस्था के रूप में लोकतंत्र का विकास क्रमिक रूप में हुआ । जैसे– दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में चिली में सैनिक तख्तापलट तथा फिर वहाँ लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थापना लोगों के लम्बे संघर्ष के बाद ही कायम हो सकी। इसी
प्रकार पोलैण्ड में लंबे आंदोलन के बाद लोकतंत्र की व्यवस्था वहाँ फिर से स्थापित हुई।
कई देशों में लोकतंत्र की बहाली के बाद सैनिक तख्तापलट हुआ और देश में सैनिक तानाशाही की स्थापना हुई। पुनः लंबे संघर्ष के बाद लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई।
प्राचीन भारत में ईसा पूर्व 6 ठी शताब्दी में बुद्धकाल में गंगाघाटी के कई गणराज्यों में लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था के प्रमाण मिले हैं। इनमें कपिलवस्तु का शाक्य, सुभाग पर्वत के भग्ग का प्रान्त, अलकम्म का तुलि, केरुपुत्त के कालाम, रामग्राम कुशीनारा का मल्ल पिप्लीतन के मोरिय, वैशाली के लिच्छवी, मिथिला के विदेह आदि शामिल थे। इन गणराज्यों में निर्णय बहुमत से होता था।
आधुनिक विश्व में सन् 1789 ई. हुए फ्रांसीसी क्रांति से लोकतंत्र की स्थापना एवं विस्तार की शुरूआत होती है । इस क्रांति ने लोकतंत्र के तीन तत्वों को स्थापित किया स्वतंत्रता, समानता एवं भ्रातृत्व । ब्रिटेन में 1688 के गौरवपूर्ण क्रांति के बाद लोकतंत्र ने धीरे-धीरे अपने पैर पसारने शुरू किये । 1776 ई० में अमेरिकी नागरिकों ने ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फेंका और वह स्वतंत्र हो गया तथा 1789 ई० में एक लोकतांत्रिक संविधान को लागू किया जिसके अनुसार वहाँ की शासन-व्यवस्था को संचालित किया जा रहा है।
अफ्रीका और एशिया के अधिकांश देश यूरोपीय राष्ट्रों के उपनिवेश थे । इन उपनिवेशों के नागरिकों ने लोकतंत्र की स्थापना के लिए संघर्ष किया । अंततोगत्वा औपनिवेशिक शासकों को इन देशों को स्वतंत्र करना पड़ा । इसी प्रकार हमारा देश भारत भी 1947 ई० में स्वतंत्र हुआ और यहाँ पर लोकतंत्र की स्थापना हुई। पश्चिमी अफ्रीकी देश घाना में लोकतंत्र के लिए संघर्ष, फिर
लोकतंत्र का सैनिक तख्तापलट कुल मिलाकर कमोवेश अफ्रीकी देशों में यही स्थिति रही। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद इसके कुल 15 गणराज्य भी स्वतंत्र हो गये। इनमें से अधिकांश ने लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था को अपनाया।
भारत के पड़ोस में स्थित नेपाल नामक देश में लोकतंत्र की स्थापना, समाप्ति तथा पुनर्स्थापना की घटना घटित हुई। 1959 में नेपाल में लोकतंत्र की स्थापना फिर 1962 में इसकी समाप्ति हो गई इसी तरह 1991 में फिर लोकतंत्र फिर 1962 में इसकी समाप्ति हो गई इसी तरह 1991 में फिर लोकतंत्र बहाल हुआ। 2005 में बर्खास्त कर दिया गया और फिर मई, 2008 में वहाँ पर संविधान सभा का चुनाव हुए और नेपाल के प्रथम गणतंत्र के राष्ट्रपति डॉ. रामबर्द्धन यादव एवं प्रधानमंत्री प्रचंड हुए। इस प्रकार नेपाल में बार-बार लोकतंत्र की समाप्ति एवं पुनर्स्थापना हुई।इसी प्रकार का हाल पाकिस्तान का भी रहा है इस मायने में कि वहाँ सैनिक तख्तापलट के बाद लोकतंत्र की बहाली हुई।
विश्व में एक संस्था है जिसके बनाये गये कानून आपसी सहमति के आधार पर दुनियाभर में चलती है। जैसे कि किसी देश की सरकार का। यह संस्था संयुक्त राष्ट्रसंघ है। जिसकी स्थापना 1945 ई० में हुई थी। वर्तमान में इसके 192 देश सदस्य हैं। इस संगठन के छः मुख्य
अंग हैं—महासभा सुरक्षा परिषद, आर्थिक और सामाजिक परिषद, न्याय परिषद् न्याय का अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय एवं सचिवालय ।
महासभा संसद की भाँति है जिसमें किसी भी अन्तर्राष्ट्रीय समस्या अथक मुद्दे परविचार-विमर्श किया जाता है।

https://www.evidyarthi.in/

महासभा में सभी 192 सदस्य देशों को एक-एक वोट देने का अधिकार है । निर्णय बहुमत के आधार पर लिये जाते हैं। इस प्रकार महासभा को लोकतांत्रिक कह सकते हैं।

सुरक्षा परिषद् में 15 सदस्य होते हैं, इनमें पाँच स्थायी एवं दस अस्थायी होते हैं । स्थायी सदस्य हैं—अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन । इस अस्थायी सदस्यों का चुनाव महासभा दो वर्षों के लिए करती है । सभी सदस्यों को वीटों अधिकार होता है । आर्थिक एवं सामाजिक

परिषद् विभिन्न देशों के बीच आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में सहयोग की स्थापना को प्रोत्साहित करती है । इसकी सदस्य संख्या 54 है । अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय विभिन्न देशों के बीच के विवादों का न्यायिक समाधान प्रस्तुत करता है । इसमें 15 न्यायाधीश होते हैं जिसका सचिवालय न्यूयार्क

में है। महासचिव इसके मुख्य प्रशासनिक अधिकारी होते हैं । यह मुख्य रूप से किसी एक देश की सीमा में आने वाले समुद्री क्षेत्र के कार्य व्यापार को संचालित करने वाले कानून तथा वैश्विक पर्यावरण तथा अस्त्र-शस्त्रों को नियंत्रित करने हेतु कानून का निर्माण एवं पालन करवाने का प्रयास करते हैं।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/